

## ॥ वेङ्कटेश स्तोत्रम् ॥

कमलाकुच-चूचुक-कुङ्कुमतो नियतारुणितातुल-नीलतनो।  
कमलायतलोचन लोकपते विजयी भव वेङ्कटशैलपते ॥ १ ॥

सचतुर्मुख-षण्मुख-पञ्चमुख-प्रमुखाखिलदैवतमौलिमणे।  
शरणागतवत्सल सारनिधे परिपालय मां वृषशैलपते ॥ २ ॥

अतिवेलतया तव दुर्विषहैरनुवेलकृतैरपराधशतैः।  
भरितं त्वरितं वृषशैलपते परया कृपया परिपाहि हरे ॥ ३ ॥

अधिवेङ्कटशैलमुदारमते जनताभिमताधिकदानरतात्।  
परदेवतया गदिताग्निगमैः कमलादयितान्न परं कलये ॥ ४ ॥

कलवेणुरवावशगोपवधू शतकोटिवृतात्स्मरकोटिसमात्।  
प्रतिवल्लविकाभिमतात्सुखदाद् वसुदेवसुतान्न परं कलये ॥ ५ ॥

अभिरामगुणाकर दाशरथे जगदेकधनुर्धर धीरमते।  
रघुनायक राम रमेश विभो वरदो भव देव दयाजलधे ॥ ६ ॥

अवनीतनया-कमनीयकरं रजनीकरचारुमुखाम्बुरुहम्।  
रजनीचरराजतमोमिहिरं महनीयमहं रघुराम मये ॥ ७ ॥

सुमुखं सुहृदं सुलभं सुखदं स्वनुजं च सुखायममोघशरम्।  
अपहाय रघूद्वहमन्यमहं न कथञ्चन कञ्चन जातु भजे ॥ ८ ॥

विना वेङ्कटेशं न नाथो न नाथः

सदा वेङ्कटेशं स्मरामि स्मरामि।

हरे वेङ्कटेश प्रसीद प्रसीद

प्रियं वेङ्कटेश प्रयच्छ प्रयच्छ ॥ ९ ॥

अहं दूरतस्ते पदाम्भोजयुग्म  
प्रणामेच्छयाऽऽगत्य सेवां करोमि।  
सकृत्सेवया नित्यसेवाफलं त्वम्  
प्रयच्छ प्रयच्छ प्रभो वेङ्कटेश ॥ १० ॥  
अज्ञानिना मया दोषानशेषान् विहितान् हरे।  
क्षमस्व त्वं क्षमस्व त्वं शेषशैल-शिखामणे ॥ ११ ॥  
॥ इति श्री-वेङ्कटेश-स्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

---

This stotra can be accessed in multiple scripts at:  
[http://stotrasamhita.net/wiki/Venkatesha\\_Stotram](http://stotrasamhita.net/wiki/Venkatesha_Stotram).

 generated on **January 19, 2025**

Downloaded from  <http://stotrasamhita.github.io> |  StotraSamhita | Credits